पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

हिन्दुस्थान समाचार द्वारा संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए सौहाद्रपूर्ण वातावरण बहुत आवश्यक है - राज्यपाल

लखनऊः 29 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में बहुभाषी संवाद समिति, हिन्दुस्थान समाचार द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'उत्तर प्रदेश कैसे बने उत्तम प्रदेश' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री, श्री राम गोविन्द चैधरी, लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एक विशेषांक 'उत्तर प्रदेश कल, आज और कल' का भी लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हिन्दुस्थान समाचार से उनके बहुत पुराने संबंध रहे हैं। ऐसी सामयिक संगोष्ठी के लिए हिन्दुस्थान समाचार बधाई का पात्र है। उत्तर प्रदेश अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए सौहाद्रपूर्ण वातावरण बहुत आवश्यक है। यदि समाज में कटुता होगी तो विकास का पैमाना अधूरा रहेगा। दलगत राजनीति से अलग हट कर प्रदेश के विकास के लिये एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति की सीमा को समझे तो उत्तर प्रदेश सर्वोत्तम प्रदेश बन सकता है।

श्री नाईक ने कहा अच्छे समाज के लिये अच्छे, प्रमाणिक एवं पारदर्शी प्रशासन की जरूरत होती है। ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के बारे में भ्रष्टाचार के समाचार पढ़कर दुःख होता है। विकास के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, सुदृढ़ कानून व्यवस्था, बिजली, पानी, सड़क व अन्य अवस्थापना संबंधी चीजों की भी आवश्यकता होती है। सुधार की गुंजाईश हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि अगर हम सब कुछ ठीक मान ले तो विकास के आगे बढ़ने की संभावना कम हो जाती है।

राज्यपाल ने कहा कि यह चिंता का विषय है कि देश का कोई भी शिक्षण संस्थान विश्व के श्रेष्ठतम शिक्षण संस्थानों में नहीं है जबकि देश में आज 700 से ज्यादा विश्वविद्यालय तथा 35,000 से ज्यादा कालेज है। प्रदेश के इलाहाबाद विश्वविद्यालय, बनारस विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालयों का जो पूर्व में स्थान था वह अब नहीं है। शैक्षणिक स्तर में सुधार जरूरी है। कृषि क्षेत्र और शिक्षा क्षेत्र में आवश्यक सुधार से विकास के नये रास्ते खुल सकते है। उचित शिक्षा व प्रशिक्षण से नयी पीढ़ी को स्वालम्बी बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मानव शक्ति को पूंजी के रूप में विकसित करने पर विचार होना चाहिए।

बेसिक शिक्षा मंत्री, श्री राम गोविन्द चैधरी ने कहा कि विकास के लिये सबसे ज्यादा है अनुशासित रहना। अधिकार से ज्यादा कर्तव्यबोध होना चाहिये। आजादी की लड़ाई में उत्तर प्रदेश केन्द्र बिन्दु रहा है। प्रदेश के विकास के लिए मन से ईमानदारी, दूसरे को आगे बढ़ाने की क्षमता तथा दिल में ललक होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजनीति से अलग होकर सबके द्वारा मिल कर प्रदेश के विकास के लिए सहयोग करने की जरूरत है।

डा0 दिनेश शर्मा, महापौर, लखनऊ ने कहा कि उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश तो है ही, उसे सर्वोत्तम बनाने की जरूरत है। प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए अम्ब्रेला सिस्टम जैसी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधाओं के साथ योजनाओं में समन्वय हो। उन्होंने कहा कि विकास में राजनैतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने देश को 9 प्रधानमंत्री दिये हैं। यहाँ भगवान राम व कृष्ण की जन्मस्थली है। यहाँ मलिक मोहम्मद जायसी जैसे श्रेष्ठ कवि हैं तथा अनेक उर्दू के

महान कवियों ने जन्म लिया। आज नीति और राजनीति के मायने बदल रहे हैं। लोग सत्ता चाहते हैं इसलिये वास्तविक काम पिछड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी आत्मा की आवाज सुननी चाहिये।

कार्यक्रम में राज्यपाल सहित अन्य वक्ताओं को शाॅल व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

हिन्दुस्थान
Hindusthan
समाचार
Samachar
सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी संवाद समिति
संगोष्ठी व विशेषांक विमोचन

हिन्दुस्थान
Hindusthan
सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी संवाद समिति
संगोष्ठी व विशेषांक विमोचन
BOTANY

समाचार
CHEMISTRY